


हमिचल प्रदेश का स्थापना दविस

हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री ने हमिचल प्रदेश के राज्य स्थापना दविस (25 जनवरी) पर लोगों को बधाई दी ।

	<p>राजकीय जंतु: हमि तेंदुआ</p> <p>राजकीय पक्षी: वेस्टर्न ट्रेगोपेन</p> <p>राजकीय पुष्प: पकि रोडोडेड्रोस/ या बुरांस या बुरुंश</p> <p>राजकीय भाषा: हर्द्वी और स्थानीय बोलयिँ</p> <p>प्रमुख नदयिँ और बाँध: सतलुज (भाखड़ा बाँध, गोबदि सागर जलाशय, कोल्डम बाँध), व्यास (पंडोह बाँध, महाराणा प्रताप सागर जलाशय), रावी (चमेरा बाँध), पार्वती</p> <p>प्रमुख झीलें: रेणुका, रेवलसर, खज्जियार, दाल, ब्यास कुंड, दसौर, बुरघु, पराशर, मणा भिहेश, चंदर ताल, सूरज ताल, करेरी, सरोलसर, गोवदि सागर, नाको झील</p> <p>राष्ट्रीय उद्यान: ग्रेट हमिलयन राष्ट्रीय उद्यान, पनि वैली राष्ट्रीय उद्यान, खरिंगंगा, इंदरकला तथा सबिलबारा राष्ट्रीय उद्यान</p>
---	--

प्रमुख बदि

ब्रिटिश शासन के दौरान का इतहास:

- वर्ष 1858 में रानी वक्टोरिया की घोषणा के बाद पहाड़ी ब्रिटिश कषेत्र ब्रिटिश कराउन के अधीन आ गए ।
- ब्रिटिश शासन के दौरान चंबा, मंडी और बलिसपुर राज्यों ने कई कषेत्रों में अचछी प्रगतकी ।
- प्रथम विश्व युद्ध (1914-18) के दौरान पहाड़ी राज्यों के लगभग सभी शासक वफादार रहे और उन्होंने सैनिकों एवं आवश्यक सामग्रयिँ दोनों के रूप में ब्रिटिश युद्ध के प्रयासों में योगदान दया ।

स्वतंत्रता के बाद का इतहास:

- स्वतंत्रता की प्राप्ति के बाद वर्तमान हमिचल प्रदेश के इतहास की रूपरेखा नीचे दी गई है:
 - हमिचल प्रदेश मुख्य आयुक्त प्रांत के रूप में 15 अप्रैल, 1948 को अस्तित्व में आया था ।
 - हमिचल प्रदेश 26 जनवरी, 1950 को भारत के संविधान के कार्यान्वयन के साथ 'भाग C' राज्य (भाग VII के तहत) बन गया ।
 - 1 जुलाई, 1954 को बलिसपुर को हमिचल प्रदेश में मलिया दया गया ।
 - राज्य पुनर्गठन आयोग की सफिराशि के बाद 1 नवंबर, 1956 को हमिचल प्रदेश केंद्रशासति प्रदेश बना ।
 - कांगड़ा और पंजाब के अधिकांश अन्य पहाड़ी कषेत्रों को 1 नवंबर, 1966 को हमिचल प्रदेश में मलिया दया गया, हालाँकि तब भी यह एक केंद्रशासति प्रदेश ही रहा ।
 - 18 दसंबर, 1970 को हमिचल प्रदेश राज्य अधनियम संसद द्वारा पारति कया गया और 25 जनवरी, 1971 को नया राज्य अस्तित्व में आया । इस प्रकार हमिचल प्रदेश भारतीय संघ के अठारहवें राज्य के रूप में सामने आया । तब से हमिचल प्रदेश ने एक लंबा सफर तय कया है । इसने कई पूरण सरकारों का कार्यकाल देखा है जिन्होंने राज्य को आर्थिक आत्मनरिभरता की ओर अग्रसर कया है ।

राज्य पुनर्गठन आयोग

- ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद भारत के लये 500 से अधिक रयिसतों को प्रभावी प्रांतीय इकाइयों में पुनर्गठति करना सबसे बड़े

कार्यों में से एक था।

- इसी क्रम में **एस. के. धर आयोग (1948)** और **जेवीपी समिति (1948)** ने भौगोलिक निकटता, प्रशासनिक सुविधा, वित्तीय आत्मनिर्भरता तथा विकास की क्षमता के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन की बात की।
- हालाँकि आंध्र राज्य की मांग को लेकर भूख हड़ताल के बाद **पोट्टी श्रीरामालू (Potti Sriramalu)** की अचानक मौत के कारण एक अस्थिर स्थिति पैदा हो गई थी।
- **वर्ष 1953 में फज़ल अली आयोग** की स्थापना की गई और **भाषायी मानदंडों (अन्य मानदंड भी शामिल थे)** के आधार पर राज्य के पुनर्गठन हेतु इसकी सफ़ारिश को स्वीकार कर लिया गया था।

स्रोत: पी.आई.बी

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/statehood-day-of-himachal-pradesh>

